मुर्गियों की गर्मी में देखभाल (Summer Management of Poultry)

डॉ. सतीश कुमार पाठक
सहायक आचार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

गर्मी मुर्गियों की प्रतिरक्षण क्षमता को कम कर देता है जिससे मुर्गियों को विभिन्न बीमारियों जैसे-ई. कोलाई (E. coli) और सी° आर° डी° (CRD) इत्यादि के होने का खतरा बढ़ जाता है । गर्मी से मुर्गियों में निम्न लक्षण प्रदर्शित हो सकते है-

- हाँफना या तेज गति से साँस लेना
- बार-बार और ज्यादा पानी पीना
- भूख का कम हो जाना
- अंडे का उत्पादन कम हो जाना
- अंडे की खोल की खराब गुणवत्ता का होना
- ब्रायलर मुर्गियों के शरीर का वजन धीमी गति से बढ़ना
- शरीर का तापमान बढ़ जाना
- मृत्यु होना

गर्मी का प्रभाव कम करने के उपाय

गर्मी के प्रभाव को मुर्गियों पर कम निम्न तरीकों से किया जा सकता है-

1. आवासीय प्रबन्धन
2. जल प्रबन्धन
3. आहार प्रबन्धन
4. सामान्य प्रबन्धन

1. आवासीय प्रबन्धन:

➢मुर्गियों का आवास पूर्व से पश्चिम की तरफ होना चाहिए जिससे सूर्यातप एवं सूर्य की रोशनी का प्रत्यक्ष प्रभाव को कम किया जा सके ।

➢मुर्गियों के आवास की छत कुचालक पदार्थ की बनी होनी चाहिए ।

➢हवा के नियमित संचार के लिए कूलर पंखे या निकास पंखे (exhaust fan) होने चाहिए ।

➢आवास की छत को सफेद रंग से पेन्ट करना चाहिए जिससे सूर्य की रोशनी का परावर्तन (reflection) हो ।

2. जल प्रबन्धन:

➢सामान्यता आहार और पानी का अनुपात 1:2 होता है लेकिन गर्मी बढ़ने पर यह अनुपात 1:4 या उससे भी अधिक हो सकता है ।

➢साफ और ठंडे पानी (60-70°F) की उपलब्धता हमेशा होनी चाहिए ।

➢नये चूजों को फार्म में आते ही ठंडा पानी एवं इलेक्ट्रोलाइट को आहार देने से पहले पिलाना चाहिए ।

➢पानी की टंकी को जूट के भीगे बोरों से ढकना चाहिए

3.आहार प्रबन्धन:

➢आहार की आवृत्ती (frequency) को बढ़ाना चाहिए ।

➢आहार में पोषक तत्वों के घनत्व को बढ़ाना चाहिए जिससे कम खाने के प्रभाव को कम किया जा सके ।

➢आहार में क्रूड प्रोटीन की मात्रा बढ़ा देना चाहिए ।

➢20 से 30% अतिरिक्त विटामिन एवं अल्प खनिज लवण की मात्रा आहार में बढ़ा देना चाहिए ।

➢अंडे देने वाली मुर्गियों में कैल्सियम का स्तर आहार में 3 से 3.5% तक बढ़ा देना चाहिए ।

4. सामान्य प्रबन्धन:

➢मुर्गियों की बिछाली (litter) प्रमुख रूप से दो इंच की मोटाई का होना चाहिए और इसे समय-समय पर पलटते तथा बदलते रहना चाहिए ।

➢गर्मियों में 10% अतिरिक्त आवासीय स्थान प्रदान करना चाहिए जिससे मुर्गियों के बीच ज्यादा भीड़ न होने पाये ।

➢स्थानांतरण, चोंच काटना तथा टीकाकरण जैसे कार्य रात के समय या दिन के ठंडे समय में करना चाहिए ।

➢आवास के साइड में पर्दे लगाना चाहिए जिस पर समय-समय पर पानी की बौछार करते रहना चाहिए ।

➢आवास के चारों तरफ छाँयेदार वृक्ष होने चाहिए ।

इस तरह हम उपरोक्त उपायों को अपनाकर मुर्गियों पर गर्मी के प्रभाव को कम कर सकते है ।